

नेपाल राजपत्र

भाग ३

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

काठमाडौं, असोज ६ गते २०३२ साल

श्री ५ को सरकार

कानून तथा न्याय मन्त्रालयको सूचना

वन सँरक्षण (विशेष व्यवस्था) ऐन, २०२४ को दफा १० र विशेष अदालत ऐन, २०३१ को दफा २ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी श्री ५ को सरकारले यो आदेश जारी गरेको छ ।

खण्ड २० मिति ०२७।८।८ संख्या ३१ को नेपाल राजपत्र भाग ३ मा प्रकाशित यस मन्त्रालयको सूचनाको क्रमसंख्या ३७ को सट्टा निम्नलिखित क्रमसंख्या ३७ राखिएको छ र क्रमसंख्या ४० लाई खारेज गरिएको छ ।

क्रमसंख्या

जिल्ला

विशेष अदालत

३७

जुम्ला र तिब्बिकोट

डी. एफ. वो. डिभिजन

कार्यालय

कर्णाली अञ्चल

ग्राशाले-

चूडामणिराजसिंह मल्ल

श्री ५ को सरकारको सचिव

(६)

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

४. श्री सुमनराज पन्थरीस सचिव, न्यायिक समिति
शुभेन्द्र पन्थरीस, न्यायाधीश,
महाराजगन्ज न्यायिक प्रशासन

५. श्री राजेश्वर शिवा
जिल्ला न्यायाधीश, उदयपुर, न्यायिक प्रशासन
जिल्ला प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

६. श्री सुरेश्वर शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

रामराज लार्क

७. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

८. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

९. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१०. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

११. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१२. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१३. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१४. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१५. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१६. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१७. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१८. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

१९. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

२०. श्री अरविन्द्र शर्मा
न्यायिक समिति, न्यायिक प्रशासन, न्यायिक प्रशासन

आधिकारिक रूपमा विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।